



Shahid
(Fyzabad)
HINDI BENGALI SHIKSH

By
PANDIT HARIDASS,

AN EXPERIENCED TEACHER,

Formerly Head Master T. A. V. School, Pokaran (Jodhpur)

AND AUTHOR OF

Swaasthya Raksha, Angrezi Shiksha Series, Aqlaman

Khazana, Kulgyan & Translator of Gulistan,

Bhagavata Gita, Rajasingh or

Chanchal Kumari etc.

Haridas Vaidya

SECOND EDITION

Q 1912

NATIONAL LIBRARY
No 1067

Date 4.7.50

CALCUTTA

CALCUTTA

PRINTED by Rampratap Bhargava,

at the "Narsingh Press"

201, Harrison Road, Calcutta.

दसरी बार २०००]

[१८०५]

Int.
LISTED

H
491.44
H 397

NOTICE.

*Registered under Section XVII of act
XXV of 1867.*

All rights reserved.

आवश्यक सूचना ।

इसे किताब की रजिस्ट्री सन १८६६ के एक्ट २५ सेक्शन १८ के मुताबिक सरकार में होगई है। कोई शख्स इसकी फिरसे छापने, छपवाने या इसकी छलट पुकट कर काम कागजाने का अधिकारी नहीं है। यदि कोई शख्स सोम वशीभूत होकर, ऐसा काम करेगा तो राज-दण्डमे दण्डित होगा ।

1st Edition 1000,
1911.



2nd Edition 2000,
1912,

SHARADPUR.

प्रथम संस्करण की

भूमिका ।

हमारे अनुकामिक पाठकोंने हमारी बंगरेकी निष्ठा को
खुश होकर, हमसे एक ऐसी पुस्तक लिखनेका बारम्बार आ
रोध किया, जिस के सहारे हिन्दी जाननेवाले बंगला भाषा
बिना उस्ताद के घर बैठे सीख सकें। पाठकों की इच्छा का
सार, मैंने इस पुस्तकको इस ढंग से ही लिखा है कि हिन्दी
जाननेवाले सज्जन, सचमुच ही, बिना शुब के, बहुत को
मिहमत से ही बंगला सीख सकें और हमारे बङ्गाली भाषी
बंगला की मदद से हिन्दी सीख सकें।

आजकाल बंगला साहित्य उन्नति के उत्तम सोपान
बढ़ा हुआ है। बंगला में एक से एक उत्तम ग्रन्थ रत्न बन रहे
हैं और बनते जा रहे हैं। हिन्दी के पाठक उनके देखने
को भ्रम संवरण कर नहीं सकते। दूसरी ओर हिन्दी एक ऐसी
भाषा है जो भारत के इस छोर से उस छोर तक बोली जाती
है। तैलंग या मद्रासी जब उत्तरीय भारत में जाता है तब
वहाँ से हिन्दी से ही काम निकालना पड़ता है। इसी भाषी
बङ्गाली जब गुजरात या राजपूताना में जाता है तब वहाँ
हिन्दी से ही सतसुख निकालना होता है। यदि एक बङ्गाली

एक शिक्षक अमेरिका या अफ्रीका में मिलते हैं तब वे
अपनी बातें हिन्दी बोलकर ही निकालते हैं। अतः
जहाँ भारत के लोगों को संस्कृति सीखने की जितनी
आवश्यकता है; वहाँही लोगों को भी हिन्दी सीखने की
जितनी ही या उस से कहीं अधिक आवश्यकता है।

मैं नहीं कह सकता, कि इस काम में मुझे कहीं तक
सहायता है; क्योंकि मैं तो हिन्दी का ही लेखक हूँ
नहीं बल्कि हिन्दी का ही; किन्तु मैंने बीने के आकाशिय चांद
की संज्ञा, साहस किया है। अल्प मनुष्य के काम
में त्रुटियाँ और भूलें रह जाना नितास्त सम्भव है। दूसरे इस
काम को लिखकर मुझे दुबारा पढ़ने का अवकाश भी नहीं
मिला; अतः जो भूलें या त्रुटियाँ मेरी या मेरे मित्रों की
द्वारा लगे आजायेंगी, उन्हें मैं दूसरे संस्करण में अवश्य सुधार
करूँगा।

एक बात और कहनी है, कि इस पुस्तकके लिखने में
मेरे सदाके सहायक बाबू हरिराम भार्गव से मुझे बहुत
सहायता मिली है। अल्प काल मुझे समय नहीं
मिला तब तब उन्होंने ही इसे लिखा है। अतः मैं उन
को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। दूसरे इस के प्रूप संशोधन
करके एक बङ्गाली सज्जनेन भी सहायता दी है; अतः
उनका भी कृतज्ञ हूँ।

विनोद बिहारी सारंगधर प्रिन्टर्स, कलकत्ता

पता-हरिदास एण्ड कम्पनी

८

यहाँ से फल सुझाता जाते हैं, यह सुझाते हैं पृथ्वी, अंतराक्षर, जिन अतनवकी
हृदा "दिखाते हैं। प्रत्येक हिन्दी में हीकी इसकी ही प्रति संयुक्त कर अपने हृदय
कीर गुरुकी मोभा बढ़ानी चाहिये।

रामायण रहस्य (प्रथम भाग)

मातृ-भक्ति, पित्र-भक्ति, स्त्री-धर्म, मित्र-धर्म, राजसीति
सुवर्ण-हृद-नीति आदिका जैसा सुन्दर खाका रामा-
यणमें खींचा है वैसा किसी ग्रंथमें भी नहीं। रामायण
सरीखा भावमय, सुमधुर, नीतिपरा, उपदेशपूर्ण, शिक्षाप्रद,
भक्तिमय ग्रंथ कोई भी नहीं है। उसी रामायणका
सरल, आलोकित हिन्दीमें यह उपन्यासों सरीखा अनुवाद है।
आधुनिकी वाल्मीकि, अध्यात्म, अद्भुत, मयङ्ग, तुलसीकृत सभी
रामायणोंकी बातें भी इसमें ले ली गई हैं। ग्रंथ हाथमें
लीजिये, कोड़नेका जी न चाहेगा। बाब और पयोध्याकाण्ड
की सभी बातें इसमें आ गई हैं। यदि सब रामायणोंका
सादर लेना हो तो इसे चकल पढ़िये। राम का आकाशचर्य

देखिये "वंगवासी" लिखता है :-

पुस्तक गद्य में है, भाषा और शैली नेकी उपन्यासोंकी सी है; पदमें भी
कमता है। प्रत्येक हिन्दी जाननेवालोंकी विमर्श की चीज है। सरासरी भक्त
रामायण के भक्त हैं उन्हें इस पुस्तक का पढ़ा जैसा चाहिये।

रसिंह प्रेस २०१ हरीजन रोड, कलकत्ता १

भारतमें पौरुष नीति । (इतिहास)

यह वही पुराना इतिहास है जो हम तक हिन्दीमें लिखा हुआ था। इतिहास ही मनुष्यको जातीय शिक्षा और भविष्य उत्पत्तिकी शिक्षा देता है। फिर गियोंने भारत पर किस तरह अपने पैर जमाये, भारतसे किस तरह अबाध धन-रत्न ले गये, किन किन अत्याचारोंसे हमोंने दुर्बल भारतवासियोंको संताया, फिर अंगरेजोंने किस तरह हमसे उधार लिया था कि सभी बातें हम सम्मत, तारीफ़ तथा बड़े बड़े लोभीके मतके आश्रयमें लिखी गई हैं। इतिहास प्रेमी अवश्य इस पुराने इतिहासको पढ़ें और पढ़ावें। इससे बहुत सी नयी नयी बातें सामने आनीं। दास, शकस, गुलामों।

गुलामों।

यह गुलामों एक फूसीका गुलामदस्ता है। पर यह बहुत बुरा है जो कभी सुभता नहीं। इस यन्त्रका करीब करीब सब भाषाओंमें अनुवाद होकर सभी देशोंमें गुलामदस्तां बना दिया गया है, पर जिससे हिन्दी को यह गुलामदस्ता बुरा नसीब हुआ है। गुलामों के बगानवाले श्रेष्ठसादीने इस यन्त्रमें यह काम किया है कि जिससे सभी तक यह समझे नई बी० ए० तन्त्रमें पढ़ाया जाय। यह नीतिकी

यं है, इसको पहनेवाला सदा सुखी रह सकता है।
 काल का काल सपथोंकी एक एक दासी अगर जाननी हो तो
 गुलामों का सरल हिन्दी अनुवाद अवश्य पढ़िये। • टाम
 १) महसूल १)

गुरुसरका "जासूस" विज्ञान है :-

यह पुष्पिचाम हिन्दी साहित्यी केवले विवरण दीया है। इससे सुकथित
 जानीसे किसी घातकोंके मन्त्र सर होवे। यहनशात कावच और भद्रार्थ सदाई
 दिखकर चित्त प्रसन्न होआवता।

राजसिंह या चंचलकुमारी।

(उपन्यास)

राजसिंह ऐतिहासिक उपन्यासोंका राजा है। राज-
 सिंहकी वीरता, धीरता, अचक-प्रतिष्ठा, चंचलकुमारीकी
 अतुलनीय प्रेम, एक तस्वीर देखकर मोहित होना, चौरंगी-
 जीवकी कूट नीति, कुटिल चौरंगजीवकी राजसिंहका तीन
 तीनबार पराजित करना, और बारबार नीचा दिखाना;
 राजपूतागी श्रवणाकी यवनीसे रक्षा कराना, चौरंगीवकी
 ग्राहीमहलका गुप्त प्रेम, और भयानक गुप्त घटनायें, आदि
 बातें राजसिंहके साथही साथ आज भी अचरितरता माया
 लोका कर रही है। उपन्यास का एक रज है। ऐसा
 उपन्यास कम देखनेमें आता है। • टाम १) महसूल १)

शरसिंह प्रेम २०१ हरीचन रोड, कलकत्ता।

देखिये कलकत्ता का हस्ति "बंगलासी" क्या लिखता है:-

"इस पुस्तक में लिखी यह कथा महाराजा राजसिंहजी, ऐतिहासिक
विषयों का एक मनको चरित्र है। यह बात होती है।"

मानसिंह वा क्रमलादेवी ।

(भीमरत्न व्यासजी लिखित ।)

यह उपन्यास नहीं बसिक सुमनसामनी भमरदारी
वायस्कीय है। महाराजा मानसिंहकी वीर-कार्यावली
यह ग्रंथ भरा है। पाठ! चक्रवर्त के दाहिने हाथ मान-
सिंहके साथ कलकत्ता! अपनी वज्र की चक्रवर्तसे व्याप्त
है। हेमलताका प्रेम! महाराजा प्रताप-सम
सैरा सवार। कपटी महाराज! विविध बाजीगर! नरसिंह
वीर प्रेमसिंहका प्रेम! सलीम का क्रोध! सन्यासी की
कूट-बुद्धि! मानसिंहके दुराचार! भयानक युद्ध! मान-
सिंहकी वीरता! मोड़!! कोसा पाश्चात्यजनक, कौतुक
वर्तक वीर शिवालय उपन्यास है। विविध बात है। यह द
ग्रंथ है। दाम ॥ डाक खर्च ॥

देखिये "बंगलासी" क्या कहता है:-

हिन्दी उपन्यासोंकी दशा देखकर कहना पड़ता है कि पाश्चात्य
उपन्यास बहुत अच्छा है। भीमरत्न जीनेके साथ ही साथ पुस्तक शिवालय भी है।

नरसिंह प्रेम २०१ हरीशचन रोड, कलकत्ता ।

राधाकान्त

(उपन्यास)

सामाजिक उपन्यासोंका यह महाराजा है। यदि धन-मद भतवासे, पंमौरका चरित्र, बरी, संगतिका भयानक फल, सुगामटियोंकी विचित्र आले, रीतियोंका स्वार्थभरा प्रेम, दहिरीकी सच्ची प्रीति, मित्रकी सच्ची मित्रता आदिका पूरा पूरा खाद लेना हो तो इसे पढ़िये। मालूम हो जायगा संसार कितने रसोंसे भरा है। कैसी कैसी चालें होती हैं। अभी घटनायें विचित्र, चमकदार और रसपूर्ण हैं। हास्य, साकार...

देखिये "बङ्गवासी" क्या कहता है :—

यह बङ्गाली ही सुन्दर उपन्यास है। उसमें दिखाया है कि परमात्माने पुनर्परी-संसारमें कार्य करने के लिये ही उत्पन्न किया है। कार्य करनेसे ही प्रत्येक सच्ची रस सजता है निष्काम होकर परहितसाधन करना समुच्च। परम धर्म है।

गल्पमाला ।

उपदेश भरी तथा मनोमोहनी दस कहानियोंका यह एक कुंज है। सभी कहानियां सुगन्धित फूलोंकी तरह मनको प्रसन्न किये देती हैं। कभी कल्याण, कभी प्रेम, कभी पुण्यकी लक्ष और पापका पराजय, वहीं लोभ, कहीं

हरसिंह मे २०१ इरीसन, रोड, कलकत्ता ।

१४ . पता---हरिदास एवम् कल्पनी

जिसीम आदि विषय कहते पढ़ते पुस्तक खोदनेका जो नहीं चाहता । दस उपन्यासोंका संग्रह एकमें मिलता है । दाम

१७ डाक चर्च

इससे "हितवासी" को मिलती है :-

पुस्तक की पच्चा उपन्यास

बाल-गल्पमाला ।

यह पुस्तक बालक-बालिकाओंको चकति परे-पुई वा-
जेवाकी एक कल है । जिसमें रामचन्द्रकी पिछभक्ति, भोज
पितामहका प्रतिष्ठापक्षण, लक्ष्मण और भरतका भ्रातृप्रेम,
श्रीकृष्णकी विनय, बुधिसिद्धका सत्य, बगिछकी चमत्, हरि-
चन्द्रका सत्य आदि और भी कितने ही पुर्जे ऐसे, जो इष्ट
हैं जो बालक-बालिकाओंके हृदय पर चकते ही उन्हें चक-
तियों मार्गपर ले जा सकते हैं । पुस्तक चत्वार्य पूजनीया
है । दाम १७ डाक चर्च

खनी मामला ।

(आसूसी उपन्यास)

खनी मामला आसूसी उपन्यासोंका सुकट है । भयानक
भीरो, भीषण डकैती, खून, आसूसकी विविध कार्रवाई, डाकू-
ओंकी लूट, आसूसका खनीके फिरोकमें जाना, पाप फैलना

नरसिंह प्रेस २०९ हरीजन. रोड, कलकत्ता ।

फिर बचना, चोरोंका उपद्रव, खुनीकी रोकावटी, जासूसका
रहस्य-भेद करना, खुनीकी पकड़ना आदि विषय पढ़ते
पढ़ते कभी पाठकोंको रोमांच हो पायेगा, कभी क्रोधसे
पाँखें लाल होंगी और कभी दाँतो छगलियाँ काटनी
पड़ेंगी। दाम ५/५०

अलिफलैला (पहला भाग)

ये पहला पुस्तक है जिसका फारसीसे करीब करीब सब
देशोंकी भाषाओंमें अनुवाद हो चुका है। यह हिन्दी
अनुवाद भी सरल और बहुत सस्ती हुआ है। इस पहिले
भागमें केवल "अलाउद्दीन और विशाग" का वह किस्सा है
जो पाठकोंका खाना पीना खोना सुखा देगा। आदि।
अलिफलैला भी एक अचरम भरा संग्रह है। चोरोंकी
पकड़ती, देव, दानव, राक्षसके भयानक काम, फिर
चोरोंका समको भी कजाना आदि ऐसे विषय हैं कि
जिनपर ध्यान देनेसे बहुतसी बातें सीखनेमें पानी हैं और
चित्त भी प्रसन्न होता है दाम ५/५०

प्रेम ।

प्रेम सबकुछ की प्रेम-मय है। प्रेम-रसभरी यह
मोटीसी पुस्तिका उपन्यास में प्रभावकी कसौटी हो रही है।

सिंह प्रेस २०१ हरीजन रोड फलफला ।

निःस्वार्थ प्रेमका है। सच्चा नमूना बहुत कम दिखाई देता
प्रेमियोंको प्रेमका चवक आदर करना चाहिये।
दाम १ डाकघर १

बीरबलकी हाजिर जवाबी और चतुराई।

दो भाग।

बीरबलकी हाजिर जवाबी संसारमें प्रसिद्ध है। इस
ग्रन्थमें ऐसे चमूटे सवाल हैं जिनको सुनकर मनुष्य चकराजमें
आ जाय, परन्तु बीरबलने सभीका जवाब दिया है। यह
बड़ा पुस्तक है जिसकी पढ़ती पढ़ती मारे हँसीके लोटपोट
हो जाना पड़ता है। पर मक्का दान है कि इन सभी
किस्सोंमें उपदेश भरा है। सर्वश्रेष्ठ देखिये। दूसरा भाग
भी खूब ही चला। दो भागोंका दाम १ डाकघर १

कालज्ञान ।

कालज्ञान सबसुख कालज्ञान है। यह बड़ा पुस्तक है
जिसके सहारे वेद्य भयवा हकीम यह सहजमें ही जान ले
सकते हैं कि किस समय कौन सा काम करनेसे रोगी अच्छा
हो जायगा। वैद्योंके लिये यह बड़ा कामकी चीज है।
दाम १ डाकघर १

देखिये "हितवाचि" का लिखनी है—

रोगियोंके लिये इस ग्रन्थकी बहुत आवश्यकता है। यह पुस्तक
इसके वेद्य और सहायके काम की है।

नरसिंह गेस २०१ हरीदन रोड कलकत्ता

National Library

(६)
শ ত থ দ ধ ন প
ণ ল থ হ ঘ ন ষ
ফ ব ভ ম য় র ল
ফ ব ম ম য় র ল
ব শ ষ স হ ঙ্গ ড়
ব শ ষ স হ ঙ্গ ড়
ঢ় য় ১ ০
হ য়

লিখনের পদ্ধতি ১.

ক খ গ ঘ ঙ চ ঠ ট
 ঢ ড় ঝ ঞ স ষ শ ব
 র ক ভ ঝ বা প য়
 জ ত ন দ ঞ ব ণ উ
 ঙ ঙ ঙ য় ঙ ০ ১

বাংলা গিনতী

১	২	৩	৪	৫
এক	দুই	তিন	চারি	পাঁচ
৬	৭	৮	৯	১০
ছয়	সাত	আট	নয়	দশ

ध्यान देने योग्य बातें ।

नोट (१) "क" इसको बंगला में नहीं बल्कि "ख" कहते हैं। इसका इसी स्थान परी शब्दों में होता है जैसे, कल, कानून, कगल, कौर, कल, इत्यादि ।

नोट (२) "ख" इसको बंगला में "ग" कहते हैं ; अगर बंगला में यह नहीं हो इसी स्थान होता है जहाँ हिन्दी में "ग" होता है, जैसे, बंगला, योग, इत्यादि ।

नोट (३) बंगला में "न" और "ब" जुड़े जुड़े नहीं होते । अर्थात् एक ही को होते हैं ।

नोट (४) बंगला और हिन्दी के निम्न लिखित अक्षरों में कुछ न कुछ समानता है :

श	घ,	ड	ड,	ट	ड,
न	न,	व	व,	य	म,
ल	ल,	ः	;		

नोट (५) बंगला के निम्न लिखित अक्षरों के लिखने में बहुत थोड़ा भेद है । परन्तु बंगला की समझी कारीकियाँ खूब समझ ली जा सकेंगी ।

ब	ब	ब	ड	ड	ड	ग	न	ब	र	ध	व
घ	घ	घ	ड	ड	ड	ल	न	व	र	ध	व
ह	ह		उ	उ	उ		य	य			
ह	ह		उ	उ	उ		य	य			

बंगला की जो 'ब' का उच्चारण है वही 'ल' के आकार में करते हैं 'ब' को 'ग' और 'योग' को 'योग' कहते हैं ।

प्रथम अध्याय ।

अक्षरों का जोड़ना ।

पहिला पाठ ।

अ ब	अब	अव	इ स	इस	इस
ई ख	ईख	ईख	उ म	उम	उम
ऊ ख	ऊख	ऊख	ए क	एक	एक
ऐ व	ऐव	ऐव	अंग	अंग	अंग

दूसरा पाठ ।

क ल	कल	कल	क ल	कल	कल
ख ल	खल	खल	ख ल	खल	खल
न ल	नल	नल	न ल	नल	नल
ट ल	टल	टल	ट ल	टल	टल
प ट	पट	पट	प ट	पट	पट
र ट	रट	रट	र ट	रट	रट

তীসরা পাঠ ।

দর	দর	দর	ডর	ডর	ডর
ধর	ধর	ধর	নখ	নখ	নখ
ভর	ভর	ময়	বন	বন	বন
রস	রস	রস	শঠ	শঠ	শঠ

চৌথ পাঠ ।

অপর	অপর	অবশ	অবশ
অলস	অলস	অশয়	অশয়
ইতর	ইতর	ঈষৎ	ঈষৎ
উদর	উদর	উয়র	উয়র
লবণ	লবণ	তরল	তরল
বমন	বমন	চরণ	চরণ
চরম	চরম	কদম	কদম
শরট	শরট	করট	করট
মকট	মকট	দখল	দখল
সবল	সবল	দশম	দশম
মদন	মদন	কটক	কটক

পাঁচবাঁ পাঠ ।

কপট	কপট	সমন	সমন
দমন	দমন	দমন	দমন
অটল	অটল	অমর	অমর
অসৎ	অসৎ	গরল	গরল
নয়ন	নয়ন	রজক	রজক

ছটা পাঠ ।

অনশন	অনশন	জলচর	জলচর
পরবশ	পরবশ	উপবন	উপবন
অপচয়	অপচয়	অকপট	অকপট
থরথর	থরথর	দরদর	দরদর
করবট	করবট	পলটন	পলটন
বরতন	বরতন	মনমল	মনমল
খটমল	খটমল	সরবত	সরবত
সরপট	সরপট	পনঘট	পনঘট
রপটন	রপটন	হলচল	হলচল
খটপট	খটপট	শশধর	শশধর

बंगला और हिन्दी मात्राएं ।

अ ना इ ई उ ए ओ औ अं अः ०
 ँ ऌ ड ढ ण त थ द ध न प फ ब भ म य र ल व श ष स ह ङ ण ०
 ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ० ण ०

नोट—आम परतर देखना चाहिये कि बंगला और हिन्दी की आवाज, उच्चार और प्रकार मादाचीस भास मायका बनार है । उच्चार, और उच्चार मादाचीस भी योडा बनार है । उच्चार, उच्चार और उच्चार मादाचीस पूरा २ फर्क है । हिन्दीमें उच्चार और उच्चार मादाचीस अचरके विपर लगती है ; किन्तु बंगला में उच्चार और उच्चार मादाचीस अचरके बाद अनुच निचो जाती है । इसी तरह उच्चार और उच्चार मादाचीस भी भेद है । हिन्दीमें उच्चार मादाचीस अचरके अगल में हा फनी सरफ और उच्चार और उच्चार विपर लगती है ; किन्तु बंगला में उच्चार मादाचीस अचरके अगल में हा फनी सरफ ही लगती है ; किन्तु उच्चार और उच्चार मादाचीस अचरके अगल में निचो जाती है । भीचे इस चद चपरी की भारकड़की लिखने है । एदने वाली हिन्दी और बंगला मादाचीस भेद को फरको तरह समझ ली । अिस तरह क, ख, ग, की भारकड़की लिखी है उसी तरह निच सच अचरों की भारकड़की समझनी चाहिये ।

बारह खड़ी ।

(२६)

कः	काः	खः	खः	गः	गः	घः	घः
कं	कं	खं	खं	गं	गं	घं	घं
को	को	खो	खो	गो	गो	घो	घो
को	को	खो	खो	गो	गो	घो	घो
कै	कै	खै	खै	गै	गै	घै	घै
के	के	खे	खे	गे	गे	घे	घे
कू	कू	खू	खू	गू	गू	घू	घू
कु	कु	खु	खु	गु	गु	घु	घु
कौ	कौ	खौ	खौ	गौ	गौ	घौ	घौ
कि	कि	खि	खि	गि	गि	घि	घि
का	का	खा	खा	गा	गा	घा	घा
क	क	ख	ख	ग	ग	घ	घ

ଦ୍ଵିତୀୟ ଅଧ୍ୟାୟ ।



ପ୍ରଥମ ପାଠ ।

ଗାନ	ଗାନ	ତାଳ	ତାଳ
ନାମ	ନାମ	ଶାକ	ଶାକ
ନାଭ	ନାଭ	ପାମ	ପାମ
ନାନ	ନାନ	ରାଗ	ରାଗ
ବାସ	ବାସ	ଘାମ	ଘାମ
କାକ	କାକ	ଜାମ	ଜାମ
ସାନ	ସାନ	ବାନ	ବାନ
କାଳ	କାଳ	ଜାଳ	ଜାଳ
କାନ	କାନ	ଛାପ	ଛାପ
ଛାଳ	ଛାଳ	ନତା	ନତା
କଥା	କଥା	ଦୟା	ଦୟା
ଜୟା	ଜୟା	କାୟା	କାୟା
ଭାଷା	ଭାଷା	ସାଥା	ସାଥା
ପାତା	ପାତା	ଜଟା	ଜଟା

বালক	বালক	চালক	চালক
সমান	সমান	বাচন	বাচন
ভাবনা	ভাবনা	কাপাস	কাপাস
কপাট	কপাট	সাহস	সাহস
কারণ	কারণ	ভাড়া	ভাড়া
পাশাণ	পাশাণ	করাল	করাল
মরাল	মরাল	যাত্রা	যাত্রা
অপার	অপার	অকাল	অকাল
সকাল	সকাল	অসার	অসার
পকান	পকান	পড়ান	পড়ান
ভালনা	ভালনা	টগরা	টগরা
অবাক	অবাক	আকর	আকর
পাঠক	পাঠক	দানব	দানব
পাশব	পাশব	গাজর	গাজর
বাদাম	বাদাম	বড়ানা	বড়ানা
বতানা	বতানা	বরষা	বরষা
পলাশ	পলাশ	সারস	সারস

দুসরা পাঠ ।

দিন	দিন	হিম	হিম
যদি	যদি	দধি	দধি
তিল	তিল	গতি	গতি
রবি	রবি	তরি	তরি
নিধি	নিধি	মনি	মনি
লিপি	লিপি	চিনি	চিনি
কিস	কিস	জিস	জিস
কিন	কিন	দিল	দিল
বিহিত	বিহিত	অশনি	অশনি
বিনয়	বিনয়	হরিণ	হরিণ
শিশির	শিশির	অবধি	অবধি
মলিন	মলিন	কঠিন	কঠিন
দিবস	দিবস	কিরণ	কিরণ
বিলয়	বিলয়	নিয়ত	নিয়ত
অগতি	অগতি	মিলাপ	মিলাপ
রিমানা	রিমানা	বিগাড়া	বিগাড়া

तीसरा पाठ ।

काली	काली	शीतः	शीत
तीर	तीर	कीर	कीर
दीन	दीन	नीर	नीर
कीट	कीट	दीर	दीर
गीत	गीत	नील	नील
नदी	नदी	धनी	धनी
घटी	घटी	जरी	जरी
गमि	गमि	रनी	रनी
छीता	छीता	छीन	छीन
पदवी	पदवी	रजनी	रजनी
गभीर	गभीर	अधीर	अधीर
जीवन	जीवन	नीरम	नीरम
धमनी	धमनी	शीतल	शीतल
शरीर	शरीर	कीमत	कीमत
कीरत	कीरत	कीरक	कीरक

चौथा पाठ ।

कुल	कुल	कूधा	कुधा
सुधा	सुधा	बुल	बुल
तुष	तुष	युष	युग
बुध	बुध	सूध	सुध
मुष	मुष	लघु	लघु
पटु	पटु	कटु	कटु
तनु	तनु	मधु	मधु
धनु	धनु	युग	युग
कुभाव	कुभाव	मुकुट	मुकुट
कुमति	कुमति	कुमुद	कुमुद
कुमार	कुमार	कुशल	कुशल
कुकुर	कुकुर	अतनु	अतनु
चतुर	चतुर	आकुल	आकुल
कुफल	कुफल	लुटेन	लुटेन
पुनीत	पुनीत	मुखर	मुखर
मुट्टरी	मुट्टरी	मधुर	मधुर

পাঁচবাঁ পাঠ ।

কুপ	কুপ	দূত	দূত
ভূত	ভূত	সূপ	সূপ
শূল	শূল	মূঢ়	মূঢ়
ধুম	ধুম	পূজা	পূজা
মূল	মূল	পুত	পুত
মুক	মুক	মূহ	মূহ
দুষণ	দুষণ	ভূষণ	ভূষণ
নূতন	নূতন	শুকর	শুকর
ময়ূর	ময়ূর	অকূল	অকূল
পূরণ	পূরণ	পুতনা	পুতনা
মুখক	মুখক	মুখিল	মুখিল

ষষ্ঠা পাঠ ।

কৃত	কৃত	রূপা	রূপা
রূমি	রূমি	রূপ	রূপ

কৃষি	কৃষি	গৃহ	গৃহ
ঘূত	ঘূত	পৃথু	পৃথু
দূঢ়	দূঢ়	ঘূত	ঘূত
কৃপণ	কৃপণ	কৃষক	কৃষক
গৃহিণী	গৃহিণী	ঘূতক	ঘূতক
অঘূত	অঘূত	পৃথক	পৃথক
পৃথিবী	পৃথিবী	পৃথক	পৃথক
মৃগাল	মৃগাল	মৃগয়া	মৃগয়া

সাতবাঁ পাঠ ।

কেবা	কিবা	কেন	কিন
কেশ	কিগ	কেলি	কিলি
নেত	নিল	পেটী	পিটী
বেত	বিত	খেত	খিত
খেদ	জিদ	খেল	খিল
মেহ	মিহ	চেটী	চিটী
চেলা	জিলা	তেজ	তিজ

ତେଲା	ତିଲା	ତେଲୀ	ତୁଣ୍ଡୀ
ମେଷ	ମିଷ	ଚେତ	ଚିତ
ଲେଇ	ଲିଝୁ	ଭେକ	ମିକ
ମେବ	ଇବ	ରେଖା	ବିଧା
ମେକ	ମିକ	ମେଧ	ମିଧ
କେଚିଂ	କିସ୍ତିତ୍	କେତକ	କିତକ
କେତାବ	କିତାବ	କେଦାର	କିନ୍ଦର
କେସନ	କିମନ	କେଶବ	କିଶବ
କେଶର	କିଶର	କେଶରୀ	କିଶରୀ
ମେଶକାର	ମିଶକାର	ବେଜାର	ବିଜାର
ଖେତାବ	କ୍ଷିତାବ	ଖେୟାଳ	କ୍ଷିୟାଳ
ମେଚକ	ମିଷକ	ଘେତନା	କ୍ଷିତନା
ତେବନ	ତିବନ	ତୈତାଳା	ତୈତାଳା
ମେବତା	ଇବତା	ମେନାମାର	ବିନାହାର
ମେବକୀ	ଇବକୀ	ଲେପକ	ଲିପକ
ହେଗଲ	ହିମଲ	ରେଚନ	ବିଚନ

সেনা	সিনা	সেনানী	সিনানী
সেবন	সিবন	সেবনী	সিবনী
লেখক	লিখক	লেখনী	লিখনী
লেখকড়ী	লিখকড়ী	মেথলা	মিথলা
মেঘনাদ	মিঘনাদ	মেতর	মিতর
মেদিনী	মিদিনী	পেয়াজ	দিয়াজ
সেতখানা	সিতখানা	সেনাপতি	সিনাপতি

আঠবাঁ পাঠ ।

কৈতব	কৈতব	কৈরব	কৈরব
কৈলা	কৈলা	শৈল	শৈল
তৈল	তৈল	হৈম	হৈম
শৈব	শৈব	বৈদ	বৈদ
শৈশব	শৈশব	গৈগা	গৈগা
গৈরা	গৈরা	জৈন	জৈন
বৈকালী	বৈকালী	পৈতা	পৈতা

ପୈଶାଚ	ପୈଶାଚ	ବୈକାଳ	ବୈକାଳ
ବୈଷ୍ଣବ	ବୈଷ୍ଣବ	ବୈତରଣୀ	ବୈତରଣୀ
ଭୈରବ	ଭୈରବ	ଭୈରବୀ	ଭୈରବୀ
ଶୈବାଳ	ଶୈବାଳ	ଶୈବଳ	ଶୈବଳ
ସୈନିକ	ସୈନିକ	ସୈରିକ	ସୈରିକ
ସୈରିକ	ସୈରିକ	ସୈରିକ	ସୈରିକ
ବୈତାଳିକ	ବୈତାଳିକ	ସୈବଳିନୀ	ସୈବଳିନୀ

ନବାଁ ପାଠ ।

ସୋରା	ସୋରା	ସୋର	ସୋର
ସୋହାଗ	ସୋହାଗ	ଲୋକ	ଲୋକ
ଲୋଚନ	ଲୋଚନ	ଲୋଟେନ	ଲୋଟେନ
ଲୋପ	ଲୋପ	ଲୋପ	ଲୋପ
ଲୋପ	ଲୋପ	ରୋଗ	ରୋଗ
ରୋଚକ	ରୋଚକ	ରୋଜଗାର	ରୋଜଗାର
ରୋଟି	ରୋଟି	ରୋଦ	ରୋଦ

লোমকুপ	লোমকুপ	রোহিণী	রোহিণী
মোট	মোট	মোদক	মোদক
মোন	মীন	মোম	মোম
মোবা	মোকা	মোখক	মোখক
মোনা	মোনা	মোরা	মোরা
মোলী	মোলী	মোকা	মোকা
মোস্ত	মোস্ত	মোয়াল	মোয়াল
মোষক	মোষক	মোষণ	মোষণ
মোতাল	মোতাল	মোপড়া	মোপড়া
মোল	মোল	মোহজ	মোহজ

দশবাঁ পাঠ ।

কোড়ি	কোড়ি	কোতর	কোতর
কোশল	কোশল	কোতুক	কোতুক
কোমুদী	কোমুদী	কোরব	কোরব
কোশেয়	কোশেয়	গোতম	গোতম

গৌর	গীর	গৌরব	গৌরব
ভোল	ভীল	পোষা	পীষা
গৌরী	গাঁরী	চোর	চীর
ভোল	মীল	গোর	ঘীর
পৌষ	ঘীষ	রোপা	রীষা
লৌহ	লীহ	মোন	মীল
পোরক	ঘীরক	দৌলত	দীলত
রৌরব	রীরব	রৌহিণ	রীহিষ
মৌমাছি	মীমাছি	যৌবন	জীবন
মৌলবী	মীলবী	কৌজদার	কীজদার
দৌবারিক	দীবারিক	পৌরাণিক	পীরাণিক

স্মারহুয়া পাঠ ।

দংশ	দঁশ	মাংস	মাস
অংশ	অঁশ	পংক	পঁক
হংশ	হঁশ	কংশ	কঁশ

मं० व०	सं० व०	व० श०	व० श०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०
मं० व०	सं० व०	मं० व०	सं० व०

आहवां पाठ

न०	न०	दुःख	दुःख
निःसार	निःसार	निःसार	निःसार
दुःख	दुःख	दुःख	दुःख
निःकारण	निःकारण	निःकारण	निःकारण
निःसंशय	निःसंशय	निःसंशय	निःसंशय
दुःख	दुःख	दुःख	दुःख

(२१)
तेरहवां पाठ ।

हैंचि	हैंचि	हैंडि	हैंडि
पौण	पौण	हैंडि	हैंडि
कौका	कौका	कौकी	कौकी
कौद	कौद	कौसी	कौसी
पौति	पौति	हैंक	हैंक
मौवा	मौवा	मौचि	मौचि
रौधनि	रौधनि	मौव	मौव
पौइत	पौइत	पौक	पौक
पौच	पौच	पौजि	पौजि
पौचाली	पौचाली	पौचड़ा	पौचड़ा
मौडाही	मौडाही	पौपड़	पौपड़
मौचंपोका	मौचंपोका	मौचिनी	मौचिनी

(५)

चौदहवां पठ ।

अभिनाम	अभिलाष	अकाल	अकाल
अंतत	अंतर्गत	अताप	अताप
अनुशासन	अनुशासन	आतवाद	आतवाद
अतीत	अतीत	अतीव	अतीव
अनामक	अनामक	अनाम्य	अनाम्य
अनुगमन	अनुगमन	अनुराग	अनुराग
आदर	आदर	आतप	आतप
आपन	आपन	आमूल	आमूल
आवीर	आवीर	आशपाश	आशपाश
आलोक	आलोक	आशिशु	आशिशु
इतिहास	इतिहास	ईद	ईद
इदानीं	इदानीं	ईमान	ईमान
इश्काल	इश्काल	ईश्लोक	ईश्लोक
इशारा	इशारा	ईद	ईद
ईश	ईश	ईशान	ईशान
अनुमोदन	अनुमोदन	अनुमान	अनुमान

(২৭)

পন্দ্রহবা পাঠ ।

পরিশোধ	পরিমোধ	অনুশীলন	অনুযোজন
কচহরী	কচহরী	চূড়াকরণ	বুড়াকরণ
কটোর	কটার	জাতীর	জাতীয়
কবচ	কবচ	তনর	তনব
কবিতা	কবিতা	অমুজ	অনুজ
কমঠ	কমঠ	পরিণাম	পরিণাম
করিণী	করিণী	তপোবল	তপোবল
কলম	কলম	তামাসা	তামাসা
কলস	কলস	কাকাবলী	কাকাবলী
তুলা	তুলা	কাকী	কাকী
দশনবাসাঃ	দশনবাসাঃ	কাগজক	কাগজক
দশমূল	দশমূল	কাতেল	কাতেল
পরিহাস	পরিহাস	দিক্দারী	দিক্দারী
কামকলা	কামকলা	দেবকুমুম	দেবকুমুম
কুমারিকা	কুমারিকা	দোষাদোষি	দোষাদোষি
কোকনদ	কোকনদ	ধনপতি	ধনপতি

কোপাল	কোপাল	ধনাধিপ	ধনাধিপ
কৌমলতা	কৌমলতা	নব বধু	নব বধু
গজানন	গজানন	নিমিষ	নিমিষ
খাম্বা	খাম্বা	নিরাহার	নিরাহার
গোদোহন	গোদোহন	নিরবকাশ	নিরবকাশ
চকোর	চকোর	নিশাপতি	নিশাপতি
চাঁদী	চাঁদী	নীলমণি	নীলমণি
চাঁপকলি	চাঁপকলি	চাঁচবাদী	চাঁচবাদী

সোলহরা পাঠ ।

অনুপার	অনুপার	পিকদান	পিকদান
ফলোদর	ফলোদর	ফুঁকন	ফুঁকন
অভিমান	অভিমান	কৌজদারী	কৌজদারী
কৌতিক	কৌতিক	অবিবেচনা	অবিবেচনা
বিভাবনা	বিভাবনা	বিবিধ	বিবিধ
বিবাদ	বিবাদ	বিমোহন	বিমোহন
বৈয়কুক	বৈয়কুক	বৈতালিক	বৈতালিক
ভুবনমোহন	ভুবনমোহন	ভূতকাল	ভূতকাল

(५)

ভূতনাথ	মৃতনাথ	পুরাতন	পুরাতন
ভোলানাথ	মোলানাথ	ভৌতি	মৌতি
ভৌম	মৌম	মহাঘোষ	মহাঘোষ
মহাকায়	মহাকায়	মহিলা	মহিলা
মহীতল	মহীতল	লাভিলাভ	লাভিলাভ
লোলুপ	লোলুপ	শতদল	শতদল
শনিবার	শনিবার	শাসনীয়	শাসনীয়
শিশির	শিশির	সদৃশতা	সদৃশতা

সমগ্রহণ পাঠ ।

গ + উ = গু

ন + উ = নু

গুণ	গুণ	গুণক	গুণক
গুণকথন	গুণকথন	গুণগান	গুণগান
গুণজনক	গুণজনক	গুণবান	গুণবান
গুণাগুণ	গুণাগুণ	গুণাকর	গুণাকর
গুণাবলী	গুণাবলী	গুণায়	গুণায়
গুণযোগ	গুণযোগ	গুণহীন	গুণহীন

গুণধর	গুণধর	গুড়	গুহ
গুটী	গুটী	গুলি	গুলি

অটরহবা পাঠ ।

র + উ = কু . র + ও = ক

গুরু	গুরু	গুরুপাক	গুরুপাক
গুরুপাপ	গুরুপাপ	চরু	বরু
কুচি	কুচি	কুচির	কুচির
কুজ	কুজ	কুধির	কুধির
কুমাল	কুমাল	কুইক	কুইক
তরু	তরু	গরু	গরু

উন্নিসবো পাঠ ।

শ + উ = শু শ + ও = শ্য

শুক	শুক	শুকনা	শুকনা
শুচ	শুচ	শুচি	শুচি
শুভ	শুভ	আশুতোষ	আশুতোষ
পশুপতি	পশুপতি	পশুরাজ	পশুরাজ

(१)
बसिवा पाठ ।

इ + उ = ह

इ + उ = ह

हकुम

हुकुम

हंड

हुंड

हृतवह

हुतवह

हंताशन हुंताशन

वह

वहु

वहधा

वहुधा

हृक्कीसवा पाठ ।

र + उ = रू

र + उ = रू

रूप

रुप

निरूपण

निरूपण

रूपवती

रुपवती

रूपा

रुपा

अपरूप

अपरुप

आरूढ

आरुढ

बाईसवा पाठ ।

इ + य = ह्य

इ + य = ह्य

अपहृत

अपहृत

हृदय

हृदय

सूहृद

सुहृद

हृष

हृष

हृषीकेश

हृषीकेश

हृदय

हृदय

तीसरा अध्याय ।

मिले हुए अक्षर

प्रथम पाठ ।

य फला । ३ यकला ।

क + अ = का	वाका,	माका,	चालूका
ख + य = खय	बाका,	बाका,	वालुका
ख + व = खव	इथाति,	जाथान	अथाति
ख + य = खय	सुखाति,	पाख्यान,	थखाति
ग + व = गव	आटोराग,	धोगा,	सोडाग
ग + अ = गा	चारोख,	जोख,	सीभाख
घ + व = घव	बिबका,	जालोका,	रुका
घ + य = घय	बिबेका,	जालीका,	रुका
ख + व = खव	नाका,	जामिडि,	लोका
ख + य = खय	राका,	जामिति,	जोति
ड + व = डव	अकाटा,	नका,	कापाटा
ड + य = डय	अकाका,	नाका,	कापाका
ड + व = डव	इगाति,	पाका,	जगाति
ड + य = डय	सुपाका	याका,	अपाका

उ + य = उय	जाडा	जाड्यारि	
उ + य = उय	जाड्या	जाड्यारि	
उ + य = उय	धनादा	जाडि	मनडा
उ + य = उय	धनाका	धीका	मनाका
ग + य = गय	लावगावडी,	पुगावनि	
ग + य = गय	लावगावडी,	पुगावनि	
त + य = तय	अमिता,	ताग,	मनाता
त + य = तय	अमित,	त्याग,	मनात्या
न + य = नय	वर्णा,	मिथ्या,	अपणा
व + य = वय	रज्या,	मिथ्या,	अपण
द + य = दय	महा,	अथा,	गथा
द + य = दय	सथा,	अथा,	मथा
ध + य = धय	वध्या,	उमरुमथा,	आराधा
ध + य = धय	वध्या,	उमरुमथा,	आराधा
न + य = नय	वना,	जना,	अवना
न + य = नय	मन्य,	जम्य,	अमन्य
प + य = पय	रोपा,	गोपा	आलापा
प + य = पय	रीप्य,	मीप्य	आलाप्य
उ + य = उय	मडा,	मज्जता,	आरज्जता
म + य = मय	सम्य,	सम्यता,	आरम्य
य + य = यय	मोय,	बोया,	मोमा
म + य = मय	मोय,	बोया,	मोमा

क + र = क्र	रक्तपात,	रक्तपाति	रक्तपात
ख + र = ख्र	रक्तपात,	रक्तपाति	रक्तपात
उ + र = उर	पात,	मित्र,	दास
त + र = त्र	पात,	मित्र,	दास
न + र = न्र	मद्राज,	उर,	दास
द + र = द्र	मद्राज,	मद्र,	दास
ध + र = ध्र	ध्र,	गृध्र,	ध्र
घ + र = घ्र	ध्र,	गृध्र,	ध्र
प + र = प्र	प्रसादी,	प्रलव,	प्रसाद
य + र = य्र	प्रसादी,	प्रलव,	प्रसाद
उ + र = उर	उर,	उर,	उर
भ + र = भ्र	भ्र,	भ्र,	भ्र
म + र = म्र	म्र,	म्र,	म्र
न + र = न्र	न्र,	न्र,	न्र
व + र = व्र	व्र,	व्र,	व्र
श + र = श्र	श्र,	श्र,	श्र
स + र = स्र	स्र,	स्र,	स्र
ह + र = ह्र	ह्र,	ह्र,	ह्र
र + र = र्र	र्र,	र्र,	र्र

तीसरा पाठ ।

देव शिष्य

न + क = क	कक,	उक,	अक
र + क = क	कक,	तक,	यक
र + व = व	वव,	द्व,	चव
र + ख = ख	खख,	मुख,	चख
र + ग = ग	गग,	दुर्ग,	अनर्ग
र + ङ = ङ	दुर्ग,	दुर्गति,	अनर्ग
र + घ = घ	अघ,	दुर्घ,	महर्घ
र + च = च	अच,	दुर्घट,	महर्घ
र + छ = छ	रुछ	आछन,	पुनर्छ
र + ज = ज	अज	आजन,	पुनर्ज
र + झ = झ	ककरी,	ककरी,	निकरी
र + ञ = ञ	अकरी,	अकरी,	निकरी
र + ट = ट	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + ठ = ठ	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + ड = ड	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + ण = ण	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + त = त	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + थ = थ	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + द = द	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + ध = ध	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + न = न	अकरी,	अकरी,	ककरी
र + प = प	अकरी,	अकरी,	ककरी

त्र + व = र्व	निर्व्वल	दुर्व्वल	शर्व्व
र + व = र्व	निर्व्वल	दुर्व्वल	मर्व्व
र + उ = उ	गर्भकोष,	दुर्भक्ष,	उदुर्भक्ष
र + भ = भ	गर्भकोष,	दुर्भक्ष,	चतुर्भक्ष
त्र + य = र्य	दुर्व्व्यायन,	त्रिर्भक्ष,	मर्षादा
र + य = र्य	दुर्व्व्यायन,	त्रिर्भक्ष,	मर्षादा
त्र + न = न	दुर्व्वलित	दुर्व्वल	वर्लित
र + ल = ल	दुर्व्वलित	दुर्व्वल	वर्लित
त्र + म = म	वर्लित	वर्लित	वर्लित
र + म = म	वर्लित	वर्लित	वर्लित
त्र + य = र्य	लोमहर्ष,	महर्षि,	वर्ष
र + य = र्य	लोमहर्ष,	महर्षि,	वर्ष
त्र + र = र	गर्हित,	गार्हा	गार्हा
र + र = र	गर्हित,	गार्हा	गार्हा

चौथा पाठ ।

क + व = व	कवकाव,	कविकाव
क + म = क	कवकाव,	कविकाव
ग + म = म	गुम्भ	गुम्भ
म + म = म	गुम्भ	गुम्भ

नोट—याद रचना चाहिये कि बँगाली लोग “दुर्व्व्यायन” को दुर्व्व्यायन और “मर्षादा” को “मर्षादा” बोलते हैं ।

उ + म = ऊ	मशका,	मिमाका
ल + म = ल	महाका,	चिदाका
म + म = म	इन्द्रावनी	पन्निनी
न + म = न	इन्द्रावनी	पन्निनी
व + म = व	कैशिकि,	मन्नाथ
श + म = श	अन्तिमि,	मन्नाथ
ज + म = ज	अन्तिमि,	मन्नाथ
झ + म = झ	अन्तिमि,	मन्नाथ
ञ + म = ञ	अन्तिमि,	मन्नाथ
ट + म = ट	अन्तिमि,	मन्नाथ
ठ + म = ठ	अन्तिमि,	मन्नाथ
ड + म = ड	अन्तिमि,	मन्नाथ
ढ + म = ढ	अन्तिमि,	मन्नाथ
ण + म = ण	अन्तिमि,	मन्नाथ
त + म = त	अन्तिमि,	मन्नाथ
थ + म = थ	अन्तिमि,	मन्नाथ
द + म = द	अन्तिमि,	मन्नाथ
ध + म = ध	अन्तिमि,	मन्नाथ
न + म = न	अन्तिमि,	मन्नाथ
प + म = प	अन्तिमि,	मन्नाथ
फ + म = फ	अन्तिमि,	मन्नाथ
ब + म = ब	अन्तिमि,	मन्नाथ

नोट—जब 'म' किसी दूसरे अक्षर के साथ मिला होता है तब बंगाली लोग बहुधा उसके उच्चारण के समय 'म' के स्थान में केवल धनुस्वार ही का उच्चारण करते हैं जैसे "माका" का "माभा" "पम" का "पह" ।

(३८)

पांचवा पाठ ।

क + ल = क्ल	क्रीड	क्रेष	क्रेम
क्ल + ल = क्ल	क्रीड	क्रीड	क्रीड
ग + ल = ग्ल	गामिकाग्रक		गाम
ग्ल + ल = ग्ल	ग्लानिकाग्रक		ग्लान
प + ल = प्ल	प्लुत	प्लवन	प्लिव
प्ल + ल = प्ल	प्लुत	प्लुत	प्लुत
म + ल = म्ल	म्ल	म्लान	म्ले
म्ल + ल = म्ल	म्ल	म्लिका	म्लान
न + ल = न्ल	न्ल	न्लिका	न्लान
न्ल + ल = न्ल	न्ल	न्ले	न्ले
य + ल = य्ल	य्ल	य्ले	य्ले

छठा पाठ ।

क + व = क्व	क्व	क्वाडिगार
क्ल + व = क्ल	क्ल	क्लाडिगार
ग + व = ग्व	ग्व	ग्विगिय
ग्ल + व = ग्ल	ग्ल	ग्लिगिय

জ + ব = জ	জটাবাল,	জ্বর	জলন
জ + ব = জ	জটাবাল,	জ্বর	জলন
ট + ব = ট	টটা	টটান	
ট + ব = ট	টটা	টটাই	
ড + ব = ড	মহর্ষি	বরা	মহর
ল + ব = ল	মহর্ষি	লরা	সলর
স + ব = স	সাঁরপাল	অবিতীয়	সারা
দ + ব = দ	দ্বারপাল	অবিতীয়	দারা
ধ + ব = ধ	মোরধ্বজ	গরুডধ্বজ	ধ্বজ
ঘ + ব = ঘ	মীরধ্বজ	মহর্ষি	ধ্বজ
শ + ব = শ	বিশ্বাসপাত্র	শাস্ত্রোত্তর	নিঃশাস
স + ব = স	বিশ্বাসপাত্র	শাস্ত্রোত্তর	নিঃশাস
স + ব = স	সরাস	সাদু	সর
স + ব = স	সরাস	সাদু	সর
ক + ব = ক	কিহা	আহ্বান	বিশ্বজ
ক + ব = ক	কিহা	আহ্বান	বিশ্বজ



सातवाँ पाठ ।

व + व = व	विष्णु	वृक्ष	विष्णु
व + व = व	विष्णु	वृक्ष	विष्णु
न + न = न	नग्न	नग्निका	नग्निका
न + न = न	नग्न	नग्निका	नग्निका
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष
व + न = व	वृक्ष	वृक्ष	वृक्ष

आठवाँ पाठ ।

क + क = क	ककी	कका	कक
क + क = क	ककी	कका	कक
क + क = क	ककी	कका	कक
क + क = क	ककी	कका	कक

नोट—दंगासी लोग प्रायः “क” का उच्चारण “ट” करते हैं जैसे “कक” को “कट” “कट” को “कट” कहते हैं।

क + य = क्य	उक्त	इतिहास	कथा
क + म = कम्	तत्त्व	दृष्टि	कथा
म + य = म्य	दुःख	रक्ष	मक्षिका
म + ध = मध	दुग्ध	दग्ध	दक्षिणा
उ + क = कु	अक्ष	मक्ष	भक्ष
उ + क = कु	अक्ष	मक्ष	भक्ष
उ + य = यु	अक्ष	अक्षिणी	अक्ष
उ + य = यु	अक्ष	अक्षिणी	अक्ष
उ + य = यु	अक्ष	अक्ष	अक्ष
उ + य = यु	अक्ष	अक्ष	अक्ष

नवां पाठे ।

उ + उ = ऊ	गुण	छोवाका	गुण
य + य = य	गुण	छोवाका	गुण
उ + उ = ऊ	गुण	गुण	गुण
य + य = य	गुण	गुण	गुण
उ + उ = ऊ	गुण	गुण	गुण
य + य = य	गुण	गुण	गुण
उ + उ = ऊ	गुण	गुण	गुण
य + य = य	गुण	गुण	गुण

(४६)

क + ट = कट	काकन	मक	वैक
ख + व = खव	काखन	मख	वैख
क + ख = कख	नाकन	वाक	मकान
ख + क = कख	नाकन	वाक	मकान
अ + क = अक	जकान	मकन	मकान
अ + ख = अख	जखान	मखन	मखान

दशवीं पाठः।

ट + ट = टट	टट्टी	गट्टी	गट्टी
ट + ट = टट	टट्टी	गट्टी	पट्टी
ग + ट = गट	टिरट्टी	कट्टक	वट्टन
ख + ट = खट	विखट्टी	कण्टका	खण्टन
ग + ट = गट	कुडिट	कण्ट	उडकण्ट
ख + ट = खट	कुडिट	कण्ट	उडकण्ट
ग + ट = गट	टट्टी	काण्ट	खण्टगण्ट
ख + ट = खट	टट्टी	काण्ट	टट्टपाण्ट
ड + ट = डट	जोरवट्टि	जोरवगट्ट	मड
न + न = नन	जोरवट्टि	जोरवगट्ट	मन
ड + व = डव	उपान	उपान	मनडिड
न + व = नव	उपान	उपान	मनुविड

क + ग = मग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
द + ग = दग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
न + ग = नग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
र + ग = रग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
ल + ग = लग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
व + ग = वग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
श + ग = शग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
घ + ग = घग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
ङ + ग = ङग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
च + ग = चग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
छ + ग = छग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
ज + ग = जग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
झ + ग = झग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
ण + ग = णग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति
त + ग = तग	उत्तमग	उत्तमीन	मगति

ग्यारहवाँ पाठ ।

न + थ = नथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
द + थ = दथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
न + थ = नथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
र + थ = रथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
ल + थ = लथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
व + थ = वथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
श + थ = शथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
घ + थ = घथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
ङ + थ = ङथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
च + थ = चथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
छ + थ = छथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
ज + थ = जथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
झ + थ = झथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
ण + थ = णथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च
त + थ = तथ	पञ्च	पञ्चगोत्र	पञ्च

व + व = व	वन्द	वन्द	
व + द = व	वन्द	वन्द	
व + ध = व	वन्द	वन्द	वन्द
व + ध = व	वन्द	वन्द	वन्द
प + प = प	पेदा	पेदा	
प + प = प	पेदा	पेदा	
म + प = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
म + प = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
म + क = म	मण्ड	मण्ड	
म + क = म	मण्ड	मण्ड	
म + व = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
म + व = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
म + उ = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
म + ध = म	मण्ड	मण्ड	मण्ड
ल + क = ल	लण्ड	लण्ड	लण्ड
ल + क = ल	लण्ड	लण्ड	लण्ड
ल + प = ल	लण्ड	लण्ड	लण्ड
ल + प = ल	लण्ड	लण्ड	लण्ड

वारहवां पाठ ।

न + उ = न	नण्ड	नण्ड
न + व = न	नण्ड	नण्ड

$ब + ठ = क्ठ$

जनकठ

तूष्णिक

अष्टमी

 $ब + ङ = ङ$

असकट

सुष्टिकर

अष्टमी

 $ब + ञ = ञ$

पृष्ठ

चतुष्टय

अष्टमी

 $ब + ण = ण$

पृष्ठ

चतुष्टय

अष्टमी

 $ब + ष = ष$

तद्वत्

निष्

अष्टमी

 $ब + म = म$

तद्वत्

निष्

अष्टमी

तेरहवाँ पाठ ।

 $क + ब + ग = क्क$

तीक्ष्ण

 $क + ब + ङ = क्क$

तीक्ष्ण

 $क + ब + म = क्क$

तीक्ष्ण

 $क + ब + न = क्क$

तीक्ष्ण

 $क + क + ग = क्क$

आकाङ्क्ष

 $क + क + ङ = क्क$

आकाङ्क्ष

 $क + क + म = क्क$

आकाङ्क्ष

 $क + क + न = क्क$

आकाङ्क्ष

 $क + त + ग = क्त$

आकाङ्क्ष

 $क + त + ङ = क्त$

आकाङ्क्ष

 $क + त + म = क्त$

आकाङ्क्ष

 $क + त + न = क्त$

आकाङ्क्ष

 $क + ल + ग = क्ल$

आकाङ्क्ष

 $क + ल + ङ = क्ल$

आकाङ्क्ष

 $क + ल + म = क्ल$

आकाङ्क्ष

 $क + ल + न = क्ल$

आकाङ्क्ष

न + न + न = नन

नन, ननकना, नन्या

न + द + द = नद

नद, नदकना, नन्या

न + थ + थ = नथ

नथा, नथ्या

न + ध + ध = नध

नध्या, नध्या

न + न + न = नन

नन, नन

न + प + प = नप

नप, नप

न + त + त = नत

नत, नत

न + स + स = नस

नस, नस

न + ङ + ङ = नङ

नङ, नङ

न + ञ + ञ = नञ

नञ, नञ

न + ष + ष = नष

नष, नष

न + ष + ष = नष

नष, नष

न + ञ + ञ = नञ

नञ, नञ

न + ञ + ञ = नञ

नञ, नञ

न + ञ + ञ = नञ

नञ, नञ

चौदहवाँ पाठ ।

न + न + न = नन

नन, नन

न + द + द = नद

नद, नद

न + थ + थ = नथ

नथा, नथ

न + ध + ध = नध

नध, नध

न + न + न = नन

नन, नन

न + प + प = नप

नप, नप

न + त + त = नत

नत, नत

अ + ध + य = द्य	दुर्गादृष्ट, दैर्घ्या, दीर्घा
र + य + य = र्य	सूर्यवर्ण, धैर्य, वीर्य
अ + य + य = र्य	मय, यय, प्रय, दृक्कल
र + य + य = र्य	सम्य, सूर्य, पुण्य, दुर्मय
र + अ + य = यार्थ	पार्थजाय
र + अ + य = यार्थ	यार्थभाग
य + ट + य = य	राष्ट्रीय मन्त्र
य + ट + य = य	राष्ट्रीय मन्त्र
अ + त + य = य	मातृ, औ
अ + त + य = य	मातृ, औ

चौथा अध्याय ।

रितेदार—शब्द

परमेश्वर	परमेश्वर	परमेश्वर
मातृ	मातृ	मातृ
पिता	पिता	पिता
माता	माता	माता
पिता	पिता	पिता
माता	माता	माता
पिता	पिता	पिता
माता	माता	माता

मा	मा	मा, माता
माकुर-मा	माकुर-मा	दादो
दिदि-मा	दिदि-मा	नानी
दौहित्र	दौहित्र	दौहिता
पौत्र	पौत्र	माती, पोता
पौत्री	पौत्री	मतनी, पोती
दौहित्री	दौहित्री	दुहिती
मामा	मामा	मामा
मामी	मामी	मामी
जामाई, जामाता	जामाई, जामाता	दामाई, जमाई
पुत्रवधू	पुत्रवधू	बेटेकी बहू
श्वशुर	श्वशुर	सुशुर
शाशुडि	शाशुडि	सास
शुड-श्वशुर	शुड-श्वशुर	ककिया सुशुर
मामा-श्वशुर	मामा-श्वशुर	ममिया सुशुर
शुड-शाशुडि	शुड-शाशुडि	ककिया सास
मामा-शाशुडि	मामा-शाशुडि	ममिया सास
माता, मयन्त्री	माता, मयन्त्री	सासा
माती	माती	साकी
भगिनीपति	भगिनीपति	बहनोई
भाज	भाज	भोजाई
देवर	देवर	देवर

ভাস্কর	ভাস্কর	জৈঠ
বেয়াই	বেয়াই	সমধী (সম্বন্ধী)
মনদ	মনদ	মনদ
বেয়ান	বেয়ান	সমধিন
প্রভু	প্রভু	প্রভু
মনিব	মনিব	মানিক
মনিব-পত্নী	মনিব-পত্নী	মানিকিন
বর	বর	বর, দুলাহ
ক'নেবউ	ক'নিষত	ছোটীষহ
বিবাহের ক'নে	বিবাহের ক'নে	দুলাহিন
সতীন-গো	সতীন-গো	সীতেনায়েট
সতীন-বি	সতীন-বি	সীতেনীঘেটী
ঘর্য পিতা	ঘর্য পিতা	ঘর্যপিতা
ঘর্য মাতা	ঘর্য মাতা	ঘর্য মাতা
খাতীপুত্র	খাতী পুত্র	খা-মাই
খাতী কন্যা	খাতী কন্যা	খা-মাইনে
পুরোহিত	পুরোহিত	প্রোহিত
পুরোহিত-পত্নী	পুরোহিত-পত্নী	প্রোহিতানী
গৃহ-শিক্ষক	গৃহ-শিক্ষক	ঘরমৈ শিক্ষানিবাখা
শিক্ষয়িত্রী	শিক্ষয়িত্রী	শিক্ষানিবাখী
গুরু	গুরু	গুরু
গুরু-পত্নী	গুরু-পত্নী	গুরু-পত্নী

अवस्थानुसार अनुष्यों के नाम ।

नित	शिशु	शिशु, बच्चा
बूढ़ा	बुढ़ा	जवान
बूढ़, बुढ़ा	ठूढ़, ठुढ़ा	बूढ़
नितु मातृहीन बालक	बिना मा बाप का बच्चा	
अविवाहित स्त्री	अविवाहित लोका	बैवारा
मृतदार	मृतदार	रैकुआ
मृतदार	मृतदार	विवाहित
पुरुष	पुरुष	पुरुष, मर्द
कुमारी	कुमारी	कुमारी
विधवा	विधवा	विधवा, बेधा
ठोक पड़ा	टाक पड़ा	गप्पा
बौना	बाँदा	नक-बैठा
नाक-काटी	नाक-काटा	नकटा
अन्ध	अन्ध	अन्धा
काना	काना	काना
काला	काला	बहरा
तोतला	तोतला	तोतला
छोड़ा	छोड़ा	लँगड़ा
मोटा	मोटा	मोटा
कुन	कुन	दुबला

पक्ष	सम्यक्	सम्यक्
पक्षी	खोज	चिज्ज
वामन	वामन	दीना
सुन्दर	सुन्दर	सुन्दर
सुन्दर	कुलित	कुलप
सुन्दर	रम्य	रोमी
सुन्दर	सुख	शारीर्य
काल	काशी	काला
समान	समान	समान
पोष्यपुत्र	पोष्यपुत्र	मोदका देहा
सुश्रवाकारिणी	सुश्रवाकारिणी	सुश्रवा करनेवाली
सुश्रवाकारिणी	सुश्रवाकारिणी	सुश्रवा करनेवाली
उपपत्ति	उपपत्ति	उपपत्ति, यात्र
उत्पत्ति	उत्पत्ति	उत्पत्ति
कृत्रुणी	कृत्रुणी	कृत्रुणी
उत्तराधिकारी	उत्तराधिकारी	वारिष्
पूर्व पुरुष	पूर्व पुरुष	पुरुषा
मातापिता	माता पिता	मा बाप
अतिथी	अतिथी	अतिथि
निमग्नित व्यक्ति	निमग्नित व्यक्ति	मिहमान
वस्तु	वस्तु	वस्तु, चित्त
वस्तु	वस्तु	वस्तु, दुःख

ठाकुर	चाकर	चाकर, मौक
महाजन	महाजन	महाजन
धनदाता	धनदाता	बोहरा
विदेशी	विदेशी	परदेशी
ठिकादार	ठिकादार	ठेकेदार
प्रतिवेशी	प्रतिवेशी	पड़ोसी
अपरिचित व्यक्ति	अपरिचित व्यक्ति	अजनबी
कमिदार	कमिदार	कमींदार
प्रजा	प्रजा	किरायेदार
सुनहोरा	सुनहोरा	गुलाम
काज	काज	काज, विद्याधी
विमानवीर	विमानवीर	सबोदवार
मिश्र	मिश्र	मिश्र, यागिद
मरीर	मरीर	बदन
मस्तक	मस्तक	मस्तक, सिर
अक्ष	अक्ष	अक्ष

अंग प्रत्यंग १

माधारभूति	माधारभूति	सोपही
मुखमण्डल	मुखमण्डल	चेहरा
मुखगद्गर	मुखगद्गर	मुँह
होंत	होंत	होंत

କିଞ୍ଚ	ଜିମ	ବୌଧ
ମାଲଜିଉ	ଆଳଜିମ	ଗଲେକୌକୌଡ଼ି
କେ	କଣ୍ଠ	କନ୍ଧା, କଞ୍ଠ
କାଢ଼	କାଢ଼	ଗର୍ଦମ
ମାଲ	ମାଲ	ମାଲ
କିବୁକ	କିବୁକ	ଠିକି
କୌଟ	କୌଟ	କୌଟ
କୌଧ	କୌଧ	କନ୍ଧା
କୋଥାଳ	କୋଥାଳ	କାଢ଼ିକା
କୃକ	କୃକ	କାତୀ
କିଠି	କିଠି	କୌଠ
କେକନଶ	କେକନଶ	କୌଠକା ବାଞ୍ଛା
କେଟ	କେଟ	କେଟ
କେକନଶ	କେକନଶ	କେଟ
କୋକ୍ଷଣୀ	କୋକ୍ଷଣୀ	କୋକ୍ଷଣୀ
କୋକ୍ଷ	କୋକ୍ଷ	କୋକ୍ଷ
କାୟଡ଼ା	କାୟଡ଼ା	କାୟଡ଼ା
କକ	କକ	କକ
କାତ	କାତ	କାତ
କାତେର କଞ୍ଜୀ	କାତେର କଞ୍ଜୀ	କଞ୍ଜୀ
କାତେର ଆଞ୍ଜୁଳ	କାତେର ଆଞ୍ଜୁଳ	କାତକୌଡ଼ିଗଞ୍ଜୀ
କାତା ଆଞ୍ଜୁଳ	କାତା ଆଞ୍ଜୁଳ	କାତା ଆଞ୍ଜୁଳ

পুষ্প	পদ্ম	পদ্ম
ধূ	ধূ	ধূ
বগল	বগল	বগল
কপুই	কপুই	কপুই
চৌধুর পাভা	চৌধুর পাভা	চৌধুর
চৌধুর পাভার চুল	চৌধুর পাভার চুল	বরৌনী
চৌধুর ডার	চৌধুর ডার	চৌধুরী
নাকের বিন্দু	নাকের বিন্দু	নাকের
মেডে	মেডে	মেডে
গোঁপ	গোঁপ	গোঁপ
দাড়ী	দাড়ী	দাড়ী
বড়	বড়	বড়, বড়
হাড়	হাড়	হাড়, হাড়
মস্তিষ্ক	মস্তিষ্ক	মস্তিষ্ক
নখ	নখ	নখ, নখ
কাণ	কাণ	কাণ
কপাল	কপাল	কপাল, কপাল
জ	জ	জ
জু	জু	জু
জুই	জুই	জুই
পা	পা	পা
জামের গায়ে	জামের গায়ে	জামের

গোড়ালি	মৌহালি	পাঁচু
গাঁহিট	মৌহট	কাঁঠ
কেশ	কেশ	কেশ, বাক
পায়ের তেলো	পায়ের তেলো	পায়ের তেলো
হাতের তেলো	হাতের তেলো	হাতের তেলো
ধমনী	ধমনী	ধমনী
মজ্জা	মজ্জা	মজ্জা
নাড়ি, মাড়ী	নাড়ি, মাড়ী	নাড়ী
স্নান	স্নান	স্নান
মাংসপেশী	মাংসপেশী	পুঁজ
করক	করক	করক
সুস্কন্ধ	সুস্কন্ধ	কেশু
পিণ্ড	পিণ্ড	পিণ্ড
শ্লেষ্মা	শ্লেষ্মা	শ্লেষ্মা, মল
স্বর	স্বর	স্বর
নিশ্বাস	নিশ্বাস	স্বাস
চক্রে মল, মল	চক্রে মল, মল	স্বাস
ধূত	ধূত	ধূত
চন্দ্র	চন্দ্র	চন্দ্র
নাসিকা, নাক	নাসিকা, নাক	নাক
স্নান	স্নান	স্নান
কেশ	কেশ	কেশ

होमकृप
मांस

होमकृप
मांस

होमकृप
मांस

पशु पक्षी और कीड़े मकोड़े ।

पशु	पशु	पशु, जानवर
मिरह	सिंह	सिंह, शेर
मिरही	सिंहो	सिंहनी, शेरनी
घण	घण	घोड़ा
घोड़ा	घोड़ा	घोड़ा
घोटकी, घुड़ी	घोटकी, घुड़ी	घोड़ी
घाड़	घाड़	साँड़
गाड़ी	गाभी	गाय
मेड़ा	मेड़ा	मेड़ा, मेह
कुकर	कुकर	कुत्ता
कुक्की	कुक्की	कुत्ती
ग्याघ	ग्याघ	चीता
ग्याघी	ग्याघी	चीती
हडी	हडी	हाकी
हडिनी	हडिनी	हडनी

ହରିମ୍ବ	ହରିବ	ହିରମ
ହରିମି	ହରିବି	ହିରମି
ନେକଡ଼େ ବାସ	ନେକଡ଼େ ବାସ	ନେକିଆ
ଚିତା ବାସ	ସିତା ବାସ	ନେଦୁଆ
ଭଲୁକ	ଭଲୁକ	ବିଜୁ, ଭାଲୁ
ମହିଷ	ମହିଷ	ମେଟା
ମଣ୍ଡାର	ମଣ୍ଡାର	ମେଟା
ଓଡ଼ିଆ	ଓଡ଼ିଆ	ଜାଣ
ଧାନ୍ୟ	ଧାନ୍ୟ	ଧାନ୍ୟ
ମନ୍ଦିତ	ମନ୍ଦିତ	ମନ୍ଦିତ
ଛାମ	ଛାମ	ବନ୍ଦୁ
ବିଢ଼ାଳ	ବିଢ଼ାଳ	ବିଜୁ
ଶୁକର	ଶୁକର	ଶୁକର
କାଠି ବିଢ଼ାଳ	କାଠି ବିଢ଼ାଳ	ବିଜୁ
ବନ-ମାଣୁଷ	ବନ-ମାଣୁଷ	ବନ-ମାଣୁଷ
ବାନର	ବାନର	ବାନର
ଶୃଙ୍ଗାଳ	ଶୃଙ୍ଗାଳ	ଶୃଙ୍ଗାଳ
ସେକ୍ସିଆଳୀ	ସେକ୍ସିଆଳୀ	ସେକ୍ସିଆଳୀ
ବେଞ୍ଜୀ	ବେଞ୍ଜୀ	ବେଞ୍ଜୀ
ସୁସିକ, ଇନ୍ଦୁର	ସୁସିକ, ଇନ୍ଦୁର	ସୁସିକ, ଇନ୍ଦୁର
ସରମୋସ	ସରମୋସ	ସରମୋସ
ବାହର	ବାହର	ବାହର

ସେବ ଶାବକ	ସେବ ଶାବକ	ସେମନା
ହାଗ ଶାବକ	ଜାଗ ଶାବକ	ବକରୀକା ବନ୍ଧା
ଧୁକର ଶାବକ	ଧୁକର ଶାବକ	ଦୁଧରକାବନ୍ଧା
କୁକୁରର ବାନ୍ଧା	କୁକୁରର ବାନ୍ଧା	ପିନ୍ଧା
ବିଢ଼ାଲେର ବାନ୍ଧା	ବିଢ଼ାଲେର ବାନ୍ଧା	ବିଶ୍ରାନ୍ତା ବନ୍ଧା
ଚତୁର୍ଥାଦ	ଚତୁର୍ଥାଦ	ବୋଧାସା
ଧୁଳ	ଧୁଳ	କୌଣ
ଧୁର	ଧୁର	ଧୁର
ପଥର	ପଥର	ରୋଷା
ପୁର	ପୁର	ପୁର, ଦୁମ
ପୋକା	ପୋକା	କୋଡ଼ା
ପ୍ରଜାପତି	ପ୍ରଜାପତି	ମିତଳୀ
ମୌମାଢ଼ୀ	ମୌମାଢ଼ୀ	ମହୁମଝୁ
ବୋଲ୍‌ତା	ବୋଲ୍‌ତା	ବର, ମତେକା
କ୍ଷମର	କ୍ଷମର	ଖୋରା
କାଞ୍ଚି	କାଞ୍ଚି	କଞ୍ଚୁ
କୌଣ	କୌଣ	କଞ୍ଚୁ, କାଞ୍ଚି
କୋଳାକୀ ପୋକା	କୋଳାକୀ ପୋକା	କୃଗନ୍ଧ
କଳ୍ପପାଳ	କଳ୍ପପାଳ	ଟିକ୍‌କି
କଳ୍ପୀ	କଳ୍ପୀ	କଳ୍ପୀ, କଳ୍ପିକ
କଢ଼ାଈ	କଢ଼ାଈ	ଗୌରୀକା
କଞ୍ଚିକ	କଞ୍ଚିକ	କଞ୍ଚିକ, କଞ୍ଚିକା

मयूर	मोर
मयूरी	मोरनी
इंस	इंस
इंसी	इंसनी
राजइंस	राजइंस
कोकिल	कोयल
तोतापंखी	तोता
काकातुया	काकातुया
पायरा	कबूतर
बुलबुल	बुलबुल
हुड्ड	पक्षुकिष्क
सारस	सारस
वक्क	बगुला
मोरंग	सुर्गी
मूरगी	सुर्गी
काक	कक्का
मकुनि	निह
चिल	चीक
वाक	वाक, मिथरा
माकराङ्गा	मकलीमार पंखी
वेङ्का	उड्ड
मक्क	पंख

ଝକ୍	ବସ୍ତୁ	ସୌକ
ଢାଲି	ଜାଲୀ	ପା
ଡିସ	ଦିବ୍ଧ	ସଞ୍ଜା
କୀଟ	କୀଟ	କୌଣ
ମିମ୍ବିକା	ମିମ୍ବିକା	ସୌତି
ଓକ୍	ଓକ୍	ଓ
ନିକି	ନିକି	ଲୌକ
ମାକଡ଼ା	ମାକଡ଼ା	ମକଡ଼ି
ଘଟିପୋକା	ଘଟିପୋକା	ଶେଷମକା କୌଣ
ଘୋଟ	ଘୋଟ	ଘୋଟ
ଘାମ୍ବୋକା	ଘାମ୍ବୋକା	ଘାଟମକ
ଘୁଟିପୋକା	ଘୁଟିପୋକା	ଘୁଟିପୋକା
ଗମ୍	ଗମ୍	ଗମ୍, ଗାମ୍
ଗିମ୍ବୁକ	ଗିମ୍ବୁକ	ଗିମ୍
କଞ୍ଚୁ	କଞ୍ଚୁ	କଞ୍ଚୁ
ମାମ୍ବୁକ	ମାମ୍ବୁକ	ଘୋଷା
ମଞ୍ଚ, ମାଞ୍ଚ	ମଞ୍ଚ, ମାଞ୍ଚ	ମଞ୍ଚ
କୂର୍ତ୍ତୀର	କୂର୍ତ୍ତୀର	ମଗର, ପଞ୍ଜିଆଳ
ଟିକ୍ଟିକି	ଟିକ୍ଟିକି	ଡିପକଲୀ
କି ଡିଟେମାମ୍	କି ଡିଟେମାମ୍	କାମ୍ବାମାମ୍
କଟକଟେ-ବେଟ	କଟକଟେ-ବେଟ	ମୈତବ
ବିହା	ବିହା	ବିହା
ବୈତେ	ବୈତେ	ବୈତେ

वृक्ष आदि ।

भाँडा, डाल
 पत्र, पात, पाता
 कनि
 कुँडि
 गुँडि
 बीसा
 बीमडा
 बीस
 कण्टक, कीड़ा
 बीज
 मुकुल
 फूल
 अक्षर
 काठ
 रस
 मूल
 बीज
 रूक
 आम गाछ
 ताम्र गाछ

भाँडा, डाल
 पत्र, पात, पाता
 कनि
 कुँडि
 गुँडि
 बीसा
 बीमडा
 बीस
 कण्टक, काँटा
 बीज
 मुकुल
 फूल
 अक्षर
 काठ
 रस
 मूल
 बीज
 रूक
 आम गाछ
 ताम्र गाछ

भाँडा, डाली
 पत्र, पत्ता
 कली
 कली
 पत्र
 डाल
 किलका
 मूँदा
 काँटा
 बीज
 फूल, कली
 फूल
 अक्षर
 काठ, ककड़ी
 रस
 मूल, जड़
 रेशा, तार
 छल, पिट
 आमका पिट
 ताम्रका पिट

धेसुर गाह	धेसुर गाह	खिजूरका पेह
आसुर गाह	आसुर गाह	आसुरका पेह
आरिखल गाह	आरिखल गाह	आरिखलका पेह
अमल	अमल	पौपलका पेह
गाव गाह	गाव गाह	खालका पेह
मिमुन गाह	मिमुन गाह	सेमलका पेह
सेगुन गाह	सेगुन गाह	सामवानका पेह
बेल गाह	बेल गाह	बेलका पेह
भाउ गाह	भाउ गाह	भाउका पेह
पाटे गाह	पाटे गाह	पाटेका पेह
सन गाह	सन गाह	सनका पेह
बट गाह	बट गाह	बटका पेह
बांस गाह	बांस गाह	बांसका पेह
नील	नील	नील
ईल	ईल	ईल
कौठाल गाह	कौठाल गाह	कटहलका पेह
आता गाह	आता गाह	सरीसिका पेह
सुपारी गाह	सुपारी गाह	सुपारीका पेह
कला गाह	कला गाह	कलका पेह
कोट गाह	कोट गाह	पौधा
चारा गाह	चारा गाह	पौधा
अल	अल	अल, बिल

ଅନାଜ ।

ଅମ୍ଳା	ଅମ୍ଳା	ଅମ୍ଳା, ଅନାମ୍
ଧାନା	ଧାନ୍ୟ	ଧାନ
ଚାউଳ	ଚାଉଳ	ଚାଉଳ
ଗମ୍ଭ	ଗମ୍ଭ	ଗେହଁ
ଗହ	ଜହ	ଜୌ
ଧନା	ଧନ୍ୟା	ଧନିଆ
ଧନିଆ	ଧନିଆ	ଧନିଆ
ମାଲ	ମାଲ	ମାଲ
ମହମା	ମହମା	ମେଢା
ମଟର	ମଟର	ମଟର
ଭୁଝା	ଭୁଝା	ଭଞ୍ଜା
ହୋଳା	ହୋଳା	ହଳା
ସାଗୁଦାନା	ସାଗୁଦାନା	ସାଗୁଦାନା
ସରିଷା	ସରିଷା	ସରସି
ତିସି	ତିସି	ତୀସି, ଅସମି
ତିଳ	ତିଳ	ତିଳ
ଭେରୁଣା, ରେଝି	ଭେରୁଣା, ରେଝି	ରେଝି
ପୋସ୍ତାନା	ପୋସ୍ତାନା	ପୋସ୍ତାକି ମିଞ୍ଜ

फल और मेवे ।

फल	फल	फल
आम	आम	आम
आमो	आम	आम
कैलास	कैलास	कैलास
मिशाल	मिशाल	मिशाल
मोनपाति	मोनपाति	मोनपाति
रश्मी	रश्मी	रश्मी
लेवु	लेवु	लेवु
कमला लेवु	कमला लेवु	कमला लेवु
दाहिम	दाहिम	दाहिम
तान	तान	तान
बैजुव	बैजुव	बैजुव
कुल	कुल	कुल
कालकाम	कालकाम	कालकाम
सुपारि	सुपारि	सुपारि
आनारस	आनारस	आनारस
नारिकेल	नारिकेल	नारिकेल
लिहू	लिहू	लिहू
अमी	अमी	अमी
टेडुल	टेडुल	टेडुल

ଫୁଟୀ	ଫୁଟୀ	ଫୁଟ
ତରମୁଞ୍ଚ	ତରମୁଞ୍ଚ	ତରସୁଞ୍ଚ
ଧରମୁଞ୍ଚ	ଧରମୁଞ୍ଚ	ଧରସୁଞ୍ଚ
ବାଦାମ	ବାଦାମ	ବାଦାମ
ପିସ୍ତା	ପିସ୍ତା	ପିସ୍ତା
ଆକୃର	ଆକୃର	ଆକୃର
କିମ୍ବିମି	କିମ୍ବିମି	କିମ୍ବିମି
ଆଧରୋଟ	ଆଧରୋଟ	ଆଧରୋଟ
ଗୋଲାପ	ଗୋଲାପ	ଗୋଲାପ
ଗୋଳା	ଗୋଳା	ଗୋଳା
ସୁଞ୍ଚି	ସୁଞ୍ଚି	ସୁଞ୍ଚି
ପଲ୍ଲ	ପଲ୍ଲ	ପଲ୍ଲ, କମ୍ବଳ
ଧୂତୁବାକୁଳ	ଧୂତୁବାକୁଳ	ଧୂତୁବାକୁଳ
ଆକ ମବଜୀ	ଆକ ମବଜୀ	ଆକ ମବଜୀ
ବାଞ୍ଛା କପି	ବାଞ୍ଛା କପି	ବାଞ୍ଛା କପି
ଫୁଲକପି	ଫୁଲକପି	ଫୁଲକପି
ବେଶୁନ	ବେଶୁନ	ବେଶୁନ
ରଶୁନ	ରଶୁନ	ରଶୁନ
ପଳାଞ୍ଜୁ	ପଳାଞ୍ଜୁ	ପଳାଞ୍ଜୁ
ମୋଳଞ୍ଜାଳୁ	ମୋଳଞ୍ଜାଳୁ	ମୋଳଞ୍ଜାଳୁ
କାଉ	କାଉ	କାଉ
ମୁଳା	ମୁଳା	ମୁଳା

मसाले ।

मसला	मसला	मसाले
अधारी	जयती	जाफरी
जिरा	जिरा	जोरा
हरिद्रा	हरिद्रा	बसदी
भोरि	भोरि	लौक
काकान	आफान	केसर
कस्तुरि	कस्तुरि	कस्तूरी
लवङ्ग	लवङ्ग	लौंग
कपूर	कपूर	कपूर
कुठ	कुठ	सोठ
गोखमरिच	गोखमरिच	गोखमिर्च
सरिसा	सरिसा	रार
लका	लका	लालमिर्च
आम्र	आदा	पदरस
अम्रकल	लाथकल	आयकल
अलाइच	एलाइच	इलायची
तेजपात	तेजपात	तेजपात
दारुचिनि	दारुचिनि	दासचीनी
पेपुल	पेपुल	पीपर
कावाचिनि	कामाचिनि	कवाचचीनी
बदेल	बदेल	बोर, बाल

खाद्य द्रव्य और वस्तुन ।

मीठा	खाद्य	भोजन
जल	जल	पानी, जल
मात	मात	मात
मद्य	मद्य	मद्य, शराब
रटी	रटी	रोटी
दाल	दाल	दाल
भोजन	भोजन	भोजन, खीरवा
खाना	खाना	खाना, चटनी
खान, टेक्	खान, टेक्	खान, चटनी
मांस	मांस	मांस
दिल्ल	दिल्ल	दिल्ल
मांस	मांस	मांस
पिष्टक	पिष्टक	पिष्टक
दूध	दूध	दूध
सागु	सागु	सागु
मांसम	मांसम	मांसम
खाना	खाना	खाना
दधि	दधि	दही
पनिर	पनिर	पनीर
मद्य	मद्य	मद्य
मीठा	मीठा	मीठा

ଲବଣ	ଲବଣ	ଲବଣ, ନମକ
ତୈଳ	ତୈଳ	ତୈଳ
ସର୍ବପ ତୈଳ	ସର୍ବପ ତୈଳ	ସରସୌଁଆ ତୈଳ
ପାଁଚକଟୀ	ପାଁଚକଟୀ	ପାଚକଟୀ
ଚିନି	ଚିନି	ସୌଁଁ
ମଧୁ	ମଧୁ	ସହଦ, ମଧୁ
ସିଞ୍ଚୁରୀ	ସିଞ୍ଚୁରୀ	ସିଞ୍ଚୁ
ବାତାଣା	ବାତାଣା	ବାତାଣା
ସିଞ୍ଚୁରୀ	ସିଞ୍ଚୁରୀ	ସିଞ୍ଚୁରୀ
ସି	ସି	ସି
ସୋଳ	ସୋଳ	ସାଠା
ଚା	ଚା	ଆସ
କଫି	କଫି	କାଫି
ପାନୀୟ	ପାନୀୟ	ପାନୀୟ ସ୍ତ୍ରୀ
ସରବତ	ସରବତ	ସରବତ
ପ୍ରାତଃଭୋଜନ	ପ୍ରାତଃଭୋଜନ	କାଳିଆ
ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଭୋଜନ	ମଧ୍ୟାହ୍ନ ଭୋଜନ	ଭୋଜନ
ରାତ୍ରିର ଆହାର	ରାତ୍ରିର ଆହାର	ରାତ୍ରି
ବନଭୋଜନ	ବନଭୋଜନ	ଜଙ୍ଗଲକୀରସୋଇ
ଜଳସୋଗ	ଜଳସୋଗ	ଜଳସୋଗ
ଭୋଜ	ଭୋଜ	ଦାସ, ଭୋଜ
ବଡ଼ ଭୋଜ	ବଡ଼ ଭୋଜ	ବଡ଼ ଦାସ

मिठावर	राखावर	रसाई
मिठावर कयला	पायरे कयला	यखरका कीयला
मालाबी काठ	ज्वालानी काठ	ज्वालानी लकड़ी
मालुण	भागुण	भाग
मोया	मोया	मूया
मोठेर कयला	काठेर कयला	लकड़ीका कीयला
मोह	काह	राख
मोडुनि	राडुनि	रसीरया
मोडाई	कडाई	कडाडी
मोज	पात्र	पात्र, वरमन
मोडा	घडा	घडी
मोसन	बासन	बासन
मोडि	वाटि	कटोरी
मोपगाना	मेयाका	घाला
मोलास	मेलास	म्लास
मोला	खाला	खाली
कलसी	कलसी	कलस
कुंजा	कुंजो	कुंजा, सुराही
कामच	कामच	कलही, चमची
कोतल	कोतल	कोतल
मिनि	मिनि	गोपी

कपड़े और जेवर ।

पोशाक	पोशाक	पोशाक
अलङ्कार	अलङ्कार	अलङ्कार
कापड़	कापड़	कापड़ा
छादर	छादर	छादर
पाजामा	पाजामा	पाजामा
कोट	कोट	कोट
कामिज	कामिज	कमीज
चागरा	चागरा	चागरा
रुछागा	रुछागा	रुछागा
आस्तिन	आस्तिन	आस्तिन
कोमरबन्ध	कोमरबन्ध	कमरबन्ध
जेवर	जेवर	जेवर
तौयाली	तौयाली	तौलिया
दस्ताना	दस्ताना	दस्ताना
टुपी	टुपी	टोपी
पागड़ी	पागड़ी	पगड़ी
मलमल	मलमल	मलमल
छिट-कापड़	छिट-कापड़	छोट
मखमल	मखमल	मखमल
पगमी कापड़	पगमी कापड़	पगमी कापड़ा

पशम	पशम	जम
रेशम	रेशम	रेशम
मल्लर	मल्लर	मल्लर
ककन	ककन	ककन
बोताम	बोताम	बोताम, बटन
मोला	मोला	मोला
माल	माल	माल, दुमाला
रुमान	रुमान	रुमान
चाटि	चाटि	चूँगूठी
हर	हर	हार, माला
फिता	फिता	फोडा

घर और घरका सामान !

वाड़ी	वाड़ी	घर
इमारत वाड़ी	इमारत वाड़ी	इमारत
वसतवाड़ी	वसतवाड़ी	रहनेका मकान
कुठारी	कुठारी	कोठरी
काद	काद	कत
दरजा	दरजा	दरवाजा
चोखाट	चोखाट	चोखट

জানালা	আনালা	সিঁড়কী
ছিটকিনি	ছিটকিনি	ছিটকনী
নল	নল	নল
জলেরকল	জলিরকল	জল-কল
পায়খানা	যায়খানা	যাখানা
বড় ঘর	বড় ঘর	বড়াঘর
শুইবার ঘর	মুহবার ঘর	মৌলিকা ঘর
পড়িবার ঘর	পড়িবার ঘর	পড়নিকা ঘর
বৈঠকখানা	বৈঠকখানা	বৈঠক
বসিবার ঘর	বসিবার ঘর	বৈঠক
অভ্যর্থনা ঘর	অভ্যর্থনা ঘর	অভ্যর্থনা ঘর
নৃত্যের ঘর	নৃত্যের ঘর	নাচ-ঘর
আস্তাবল	আস্তাবল	আস্তাবল
উঠান	উঠান	খামিন
গোরাল	মায়াল	মায়ীকাবাড়া
কক্ষা	কক্ষা	কক্ষা
একতাল	একতাল	একতাল
দোতাল	দোতাল	দুতাল
বারাণ্ডা	বারাণ্ডা	বারাণ্ডা
কুঁড়েঘর	কুঁড়েঘর	মৌদুড়ী
খাম	খাম	খামা, খামা
উনান	উনান	খমীঠী